Roll No. : .....

Total No. of Questions : **12**] [Total No. of Printed Pages : **3**

UGA–128

B.A. (Part–II) DUE Ist Year Examination, 2021

RAJASTHANI

Paper - II

(आधुनिक राजस्थानी गद्य)

Time : 1½ Hours] [*Maximum Marks : **100***

(सवालां रा जवाब राजस्थानी या हिन्दी में दिया जाय सकै।)

(खण्ड–अ) **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– सगळा **दस** सवालां रा पडूत्तर दिरावो। उत्तर सीमा **50** सबद। हरेक सवाल 2 अंक रो है।

(खण्ड–ब) **(अंक : 8 × 5 = 40)**

नोट :– सात मांय सूं किणी **पांच** सवालां रा पडूत्तर दिरावो। उत्तर सीमा **200** सबद। हरेक सवाल 8 अंक रो है।

(खण्ड–स) **(अंक : 20 × 2 = 40)**

नोट :– चार मांय सूं किणी **दो** सवालां रा पडूत्तर दिरावो। उत्तर सीमा **500** सबद। हरेक सवाल 20 अंक रो है।

खण्ड–अ

1. (i) 'वो दिन म्हनै आज भी याद है ?' ओ दिन किणनै अर क्यूं याद है ?

   (ii) बातां कहाणी रो लेखक कुण है ? अठै किण रै बीच बातां हुवै ?

(iii) 'हिरणी' कहाणी रो लेखक कुण है ? इण कहाणी मांय आज री किसी अबखाई रो वर्णन हुयो है।

(iv) 'कांच रो चिलको' कहाणी में ऊंदरो, कुतो, (गिरज) अर कागलो किण-किण नै बताया है।

(v) 'जापान' रो असली नांव कांई हो ?

(vi) मैं आंवू, मैं आंवू। सेठ रै बेटे री बहू नै कुण कैवतो हो ?

(vii) चित्तौड़ री रक्षा खातर करमावती किणनै राखी भेजे ?

(viii) "रामजी भला दिन देवै" रै मारफत लेखक किणरो मैतंव बतावैं ?

(ix) आधुनिककाल रा किणी चार कहाणीकारां रा नांव लिखो।

(x) बात में कांई जरूरी मानीज्यो है ?

खण्ड–ब

2. नीचै लिखी ओळियां री प्रसंग समेत व्याख्या करो–

अठीनै डोकरी अेक'र आड़ी तो हुई, फेर पाछी ई उठगी। नींद तो मरती नै पैलां ई नीं आवै हीं, अबै बा बिल्कुल ई बिदा हुयगी। रह-रह बी रै गोट उठै हा–ऊंधा सूंधा अर अणमीत। सोचै ही–जे दो रोटी बी खातर पैलां ई उतार राखती तो क्यांनै ? पाव आटो सुलैमान सूं उधार ई ले आवती, तीन पाव अगलो ई है, कीलो सागै ई दे देवती। आगै किसो राख्यो है कदैई। कमर दूखण लागगी, भळै आड़ी हुयगी। घड़ी-दो-घड़ी बाद भळै उठगी, ई उठ-बैठ में झांझरकै नैडी जाय पूगी।

3. नीचै लिखी ओळियां री प्रसंग समेत व्याख्या करो–

"गीता रा सासू जी निसकारो नांख्यो-आजकाल बायरो ई इसो बांजग्यो। टाबरां रा गू-मूत धोय'र मोटा करां, परणावा-पतावां ..... अर बै ई मोटा हुय'र छाती माथै मूंग दळै। आ जाणता हुवां तो जलमतां ई पटकी देय देवा। सगळी दैण मिट जावै। इसी कुमाणस औलाद सूं तो बांझड़ी ई चौखी। लाड़ी अबै तो सुण्यौ है कै कुंवरसा बी नागण नै अठै लाय दिया है।"

4. नीचै लिखी ओळियां री प्रसंग समेत व्याख्या करो–

"पनजी री काठी देख'र सुंडियै रो चहेरो पीळो पड़ग्यो। थर-थर कांपण लाग्यो। पण तो ई उण पन जी आगै अरदास करी-भाईजी। बापड़ो जिनावर दुख पावै ..... म्हारो काळजो कळपै ..... अणरो छुटकारो हुया ई म्हारै जीव में जीव आसी .....।"

5. नीचै लिखी ओळियां री प्रसंग समेत व्याख्या करो–

"म्हारै सूं तो बै चितराम देखणी नीं आया। आख्यां मीचनै बैठगी। चितरामां नै देख-देख हिरोशिमा री जापानी लुगायां रो-रो ही। उणां रै मूंढागै उणां रा टाबर यूं ही मां-मां करता, बळता-बरळवता मरिया हाँ। कितरा'ई टाबर बठै-उभा-ऊभा आपरां मां-बाप नै याद कर'र रोय र्‌या हा। हे भगवान! वो नजारो आद आवै जद आज भी म्हारो काळजो थर-थर करबा लाग जावै।"

6. नीचै लिखी ओळियां री प्रसंग समेत व्याख्या करो–

"कृष्ण रो चरित किणी अेक ग्रंथ में बंध्योड़ो कोनी। अलेखां ग्रंथ, काव्य अर नर-नार्‌यां रो जीवण उणनै तिल-तिल देकर रच्यो है। कृष्ण रो नाम जीवै है आज लग। जीवण नै च्यारुंकानी सूं परस करण वाळा, जणा-जणा रै सुख-दुख रै झपकारां नै खुद भोग कर उणनैं सजीव अर करतार्थ करिया। इण कारण कै कृष्ण मिनख है, फगत मिनख ई नहीं पुरुष है।"

7. 'भारमली भाजी कोनी' कहाणी री मुख्य पात्र भारमली री पीड़ा नै आपरै सबदा मांय उजागर करो।

8. 'रामजी भला दिन देवै' कहाणियां रो सार आपरे सबदा मांय उकेरो।

खण्ड–स

9. आज ई 'हिरणी' कहाणी घणी प्रासंगिक है। आपरा विचार विस्तार सूं उजागर करो।

10. 'उकरास' कहाणी संग्रै रे किणी अेक नारी पात्र रो चरित्र-चित्रण करो।

11. आधुनिक राजस्थानी कहाणी परम्परा पर अेक आलेख लिखो।

12. 'म्हारी जापान यात्रा' घणो महताऊ जात्रा वर्णन है। विस्तार सूं खुलासो करो।